मंत्रालय तथा उससे सम्बद्ध और उसके अधीनस्थ कार्यालयों के अधीन प्रशिक्षण संस्थान

10193. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय उससे सम्बद्ध तथा उसके अधीनस्थ कार्यालयों के अन्तर्गत कुल कितने प्रशिक्षण संस्थान हैं ;

(ख) उनमें कुल कितने पाठ्यक्रम चलते हैं ;

(ग) उनमें से कितने-कितने हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम में पृथक्-पृथक् चलते हैं ; और

(घ) इस समय अंग्रेजी के माध्यम से चल रहे पाठ्यक्रमों को हिन्दी माध्यम से चलाने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) से (घ) . वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय के अधीन तीन प्रशिक्षण केन्द्र हैं । वाणिज्य विभाग के अधीन भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आई आई एफ टी), नई दिल्ली में स्थित है और भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आई आई पी) बम्बई में स्थित है । नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता विभाग के अधीन रांची में भारतीय वैध माप विज्ञान संस्थान है जो माप तथा तौल निदेशालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है ।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान व्यापार, उद्योग तथा सरकार के विशिष्ट स्तरों से संबंधित प्रतिवर्ष लगभग 20 अल्पावधि कार्यक्रमों के अलावा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के संबंध में दस महीने का एक नियमित डिप्लोमा कोर्स आयोजित करता है । इसी प्रकार, भारतीय पैकेजिंग संस्थान उद्योग में मिडिल तथा सीनियर प्रबन्ध स्तरों के लिए प्रतिवर्ष 10 से 20 अल्पावधि तकनीकी कोर्सों के अलावा पैकेजिंग के संबंध में एक नियमित तीन महीने का सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित करता है । हालांकि नियमित कोर्स इन संस्थानों के मुख्यालयों में आयोजित किये जाते हैं परन्तु अल्पावधि कोर्स प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्रों में भी आयोजित किये जाते हैं । इस बात को देखते हुए कि जिन कोर्सों का आयोजन ये दोनों संस्थान करते हैं वे तकनीकी प्रकृति के हैं और उनमें देश भर के और कभी-कभी विदेशों के व्यक्ति भाग लेते हैं, इसलिए इन कोर्सों के शिक्षण का माध्यम अंग्रेजी रहा है । तथापि चर्चाओं आदि के दौरान हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं का भी आवश्यकतानुसार प्रयोग किया जाता है । भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने उद्योग के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए हिन्दी में प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की है, उदाहरण के लिए अलीगढ़ में लाक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के लिए निर्यात बाजार के संबंध में आयोजित किये गए प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में ऐसा किया गया ।

रांची स्थित भारतीय वैध माप विज्ञान संस्थान केवल एक कोर्स चलाता है । इस कोर्स में भी देश भर के और साथ ही विदेशों से व्यक्ति भाग लेते हैं और इस लिए शिक्षण का माध्यम अंग्रेजी है । तथापि यह संस्थान हिन्दी भाषी क्षेत्रों के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अनुभव की जाने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए संस्थान में विशेष टुटोरियल कक्षाओं की व्यवस्था करता है ।

Interest Paid and Charged by Central Government on World Bank loans and other Industrial Loans

10194. SHRI BALWANT SINGH RAMOOWALIA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Central Government gets money from World Bank and other countries or inter-national institutions at the interest rate of fifty paise per cent per annum only and advances the same amount at the interest rate of Rs. 8 to 10 per cent per annum; and

(b) if so, why?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) and (b). The external assistance received from the World Bank carries interest at about 8 per cent per annum while assistance from its soft lending affiliate IDA carries a service charge of 0.75 per cent per annum. Assistance from foreign countries carries interest at varying rates.

All external assistance enters the Consolidated Fund of India. Interest rates on loans advanced therefrom vary for different agencies and also with reference to the purpose and period of loans granted. Central loans to State and Union territory Govts. mostly carry interest at 5-1/4 per cent per annum whereas loans to statutory bodies, financial institutions, industrial and commercial undertakings and other parties are charged comparatively higher rates of interest.